GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION NOVEMBER-2019

YOGA : HISTORY & PHILOSOPHY

Date :- 05.11.2019
Tuesday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

सूचना १. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है । Every question is compulsory.
२. प्रत्येक प्रश्न के गुण उनकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
The marks of every question have been written on their right side.

SECTION - A

1 Patanjali Yog sutra – write in detail. 10
पातंजल योग सूत्र- विस्तृत वर्णन करें।

2. Answer any one question. 10
(A) " history, evolution and importance of yoga in present era" write an essay
" योग का इतिहास, क्रमागत उन्नति एवं संपत समय में योग का महत्व" निबंध लिखें
(B) Explain- which streams of yoga are useful to maintain health?
वर्णन करें- स्वास्थ्य रक्षा करने के लिए योग की कौन-कौन सी शाखाएं उपयोगी है?

3. Answer any four questions. 20
(A) Misconception about yoga
योग के बारे में भ्रांत धारणाएं
(B) Doctrine of rebirth
पुनर्जन्म सिद्धांत
(C) Karma yoga
कर्मयोग
(D) Philosophy of yoga in Upanishad
उपनिषद में योग दर्शन
(E) Vibhuti pada
विभूति पाद

4. Answer any five questions. (two to three sentences) 10
(A) Define- hathaYog
व्याख्या करें- हठयोग
(B) Define- bhakti
व्याख्या करें- भक्ति
(C) What is laya yoga?
लययोग क्या है?
(D) What is Shraddhatraya vibhag yoga?
श्रद्धात्रय विभाग योग क्या है?
(E) write the etymology of word Yoga
योग शब्द की व्युत्पत्ति लिखें।
(E) Enlist paada in patanjal yoga sutra.
पतंजलि योग सूत्र के पाद लिखें।

P.T.O.

SECTION – B

5. write an essay- " role of yoga in education and human values" 10
"शिक्षण और मानवीय मूल्यों में योग की भूमिका" निबंध लिखें।

6. Answer any one question. 10

(A) Describe in detail about Shiva samhita.
शिव संहिता का विस्तृत वर्णन करें।

(B) Explain the concept of the Prana according to hathapradipika, gheranda samhita and goraksh sanhita.
हठप्रदीपिका, घेरंड संहिता और गोरक्ष संहिता की प्राण की संकल्पना के विषय में विस्तृत विवेचन करें

7. Answer any four questions. 20

(A) Signs of nadi suddhi according to hatha Pradeepika.
हठप्रदीपिका के अनुसार नाड़ी शुद्धि के लक्षण लिखें।

(B) Explain "The relation of mana and vayu"
"मन और वायु का सबंध" विवेचन करें

(C) Write about the concept of shatkarma according to gheranda samhita.
षट् कर्म के विषय में घेरंड संहिता की संकल्पना लिखें।

(D) Explain Pranav abhyas according to goraksha samhita
प्रणव अभ्यास की गोरक्ष संहिता की संकल्पना लिखें।

(E) Chakra dhyan
चक्र ध्यान

8. Answer any five questions. (two to three sentences) 10

(A) Define- nadi
व्याख्या करें-नाड़ी

(B) What is pranavidya?
प्राणविद्या क्या है?

(C) Enlist types of yoga according to shiva samhita
शिव सहिता के अनुसार योग के प्रकार लिखें।

(D) Define pratyahar
व्याख्या करें- प्रत्याहार

(E) What is nadaanusandhan?
नादानुसंधान क्या है?

(F) Enlist shatkarma
षटकर्म के नाम लिखें।

****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION NOVEMBER-2019

YOGA : PRACTICE & THERAPY

Date :- 06.11.2019
Wednesday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

सूचना: 1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य । Every question is compulsory.
2. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिके गए हैं ।
Every question bears the marks written on the right side.

SECTION-A

1. आसन और अन्य व्यायाम पध्धतिओके बीचका अंतर वैज्ञानिक आयम से समझाँए। 10
Explain difference between Asana & Other types of exercises Scientifically

2. Answer any **one** out of two questions: 10
   A. उदरशकित विकासक 10 क्रियाओके चिकित्सकीय उपयोग और निषेध वर्णित करें।
   Describe ten Udarshakti Vikasak Kriyas with their therapeutic uses & contra indications.
   B. ध्यानात्मक आसन के शरीरक्रियात्मक प्रभाव एवं निषेध समझाँए।
   Explain Physiological effect and C.I. of Meditative poses.

3. Write short notes on any **Four** questions: 20
   A. रेखागति का वैज्ञानिक आयाम।
   Scientific explanation of Rekhagati.
   B. सूर्यनमस्कार का चिकित्सकीय महत्व।
   Therapeutic importance of Suryanamaskar.
   C. थाईरोईड असंतुलन में ग्रीवाशक्ति विकासक क्रिया का प्रभाव।
   Effect of Grivashakti Vikasak Kriya in thyroid imbalance.
   D. मत्स्येन्द्रासन की विधि, योग्य एवं अयोग्य।
   Techniques, Indication & C.I. of Matsyendrasan.
   E. बस्ति क्रिया।
   Basti Kriya.

4. Answer any **Five** questions (two to three sentences): 10
   A. वस्त्रधौति के उपलक्ष्यमें संहिता में लीखें 4 व्याधि नामांकित करें।
   Enlist four diseases mentioned in classical text in reference to vastradhauti.
   B. दिव्यद्रष्टि प्रदान करनेवाली कीन्ही 2 क्रियाओको नामांकित करें।
   Enlist any two Kriya Which enhance 'Divya drushti'.
   C. कुंण्डलीनी शक्ति विकासक क्रिया की तकनीक लीखें।
   Write technique of Kundalini Shakti Vikasak Kriya.
   D. उतकुर्दन को व्याख्यायित करें।
   Define Utkurdan.
   E. गोरक्षासन के 2-2 उपयोग एवं निषेध नामांकित करें।
   Enlist two-two uses & C.I. of Gorakshasam.
   F. शंख प्रक्षालन को व्याखायित करें।
   Define shankha-Prakshalan.

SECTION-B

5. स्वरोदयशास्त्र की चिकित्सकीय उपयुक्तता समझाएँ। 10
   Explain therapeutic utility of Svaroday Shastra.

6. Answer any **one** question: 10
   A. वैज्ञानिक तौरपे मूलबंधका कायाकल्प प्रभाव समझाँए।
      Scientific appraisal of Rejuvenating effect of Mulabandha.
   B. उड्डीयान बंधकी चिकित्सकीय उपयोगिता एवं निषेध समझाँए।
      Explain therapeutic utility and C.I. of Uddiyan Bandha.

7. Write short notes on any **Four** questions: 20
   A. योगिक शिथलीकरण एवं अन्य शिथिलीकरण पध्धतियो के बीच का अंतर।
      Difference between Yogic relaxation & other relaxation techniques.
   B. भस्त्रिका प्राणायामका शरीरक्रियात्मक प्रभाव।
      Physiological effect of Bhastrika pranayam.
   C. डायनेमिक मेडिटेशन(ध्यान)।
      Dynemic Meditation.
   D. आम्भसी धारणा: तकनीक एवं चिकित्सकीय उपयोगिता।
      Ambhasi Dharana : Technique & therapeutic utility.
   E. महामुद्रा की चिकीत्सकीय उपयोगिता।
      Therapeutic importance of Mahamudra.

8. Answer any **Five** questions (two to three sentences): 10
   A. वाईब्रेशनल ब्रेथ क्या है?
      What is vibrational breath ?
   B. ब्रह्म मुद्रा को तकनिक के साथ व्याख्यायित करें।
      Define Brahma mudra with technique.
   C. प्रत्याहार की स्थिति प्राप्त करने के लीए कीतने प्राणायाम आवश्यक है।
      How many pranayam is needed to achieve the state of Pratyahar.
   D. उज्जायी प्राणायाम के 4 चिकित्सकीय उपयोग संहिता के आधार पर नामांकित करें।
      Enlist four classical therapeutic uses of Ujjayi Pranayam.
   E. भुजंगीनी मुद्राकी तकनीक लीखे।
      Write technique of Bhujangini mudra.
   F. झेन मेडिटेशन को व्याख्यायित करें।
      Define Zen Meditation.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION NOVEMBER-2019

NATUROPATHY : HISTORY, PHILOSOPHY & PRINCIPLES

Date :- 07.11.2019
Thursday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

Instructions: 1.प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य है। Every question is compulsory.
2. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं।
Every question bears the marks written on the right side.

SECTION-A

1. भारत में निसर्गोपचार के विकास एवं सिध्धांत वर्णित करें। 10
Describe development and Principles of Naturopathy in India.

2. Answer any one question: 10
   A. स्वास्थ्य बनाए रखनेमें मन का महत्व समझाएँ।
   Explain Importance of Mind in health maintenance.
   B. प्रकृति के रचनात्मक सिध्धांत का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
   Describe Natures constructive principles in detail.

3. Answer any **Four** questions: 20
   A. एडोल्फ जुस्ट।
   Adolf just.
   B. एम. एम. भमगरा।
   M. M. Bhamagara.
   C. प्राकृतिक अनुर्जता के सुधार की पध्धतियाँ।
   Techniques to improve natural immunity.
   D. स्वास्थ्य रक्षार्थ योग का द्रष्टिकोण।
   Concept of health preservation in Yoga.
   E. विठलदास मोदी का जीवनचरित्र।
   Life Sketch of Vithaldas Modi.

4. Answer any **Five** questions : 10
   A. रंगचिकित्सा के प्रणेता का नाम बताएँ।
   Name the founder of Chromo therapy.
   B. मूत्र के वेग को धारण करने से होनेवाले किन्ही 4 रोगो को नामांकित करें।
   Enlist 4 disorders which occur by suppression of Urine Urge.
   C. निसर्गोपचार में "बेनिडिकट लस्ट" क्या प्रदान है ?
   What is the Contribution of Benidict Lust in Naturopathy ?
   D. "सिध्ध" चिकित्सापध्धति में रोग की अवधारणा लीखें।
   Write concept of disease as per siddha medicine.
   E. " वर्षाऋतु" का लागूपहेलू संक्षिप्त में बताएँ।
   Mention applied aspect of varsha rutucharya inshort.
   F. आयुवेद की स्वास्थ्य की मूलभूत अवधारणा लीखें।
   Write basic concept of health as per Ayurveda.

P.T.O.

SECTION-B

5. आरोग्य रक्षक पंचतंत्र का सविस्तार वर्णन करें। 10
   Describe Arogya Rakshak Panchtantra in details.

6. Answer any one question: 10
   A. संकट व्यवस्थापन, प्रकार एवं व्याख्या को विस्तारपूर्वक समझाएँ।
      Define Crisis with its types and management in detail.
   B. लिण्डल्हार के मतानुसार 'उपास वृक्ष' समझाएँ।
      Explain concept of Upas tree according to Lindlhar.

7. Answer any **Four** questions: 20
   A. व्याधि एवं चिकित्सा की एकसंपता।
      Unity of disease Unity of Cure.
   B. निसर्गोपचार में शोथ की अवस्थाएँ।
      Stage of inflammation in Naturopathy
   C. प्रार्थना का शरीरक्रियात्मक प्रभाव।
      Physiological effect of Prayer.
   D. औषध प्रतिक्रिया के कारण।
      Causes of drug reaction.
   E. प्राकृतिक गर्भनिरोधक पध्धतियोंका महत्व।
      Importance of Natural Contraceptive methods.

8. Answer any **Five** questions : 10
   A. "इनरवेशन" क्या है ?
      What is ment by innervation ?
   B. 'एनकम्बरन्स' के प्रकार लीखे
      Enlist types of encumbrances.
   C. गांधीजी द्वारा पुन: पुन: उपयोग की जानेबाली (कीन्ही 4) निसर्गोपचार की चिकिस्ताएँ सूचिबध्ध करें।
      Enlist any 4naturopathy treatment modality frequently used by Gandhiji.
   D. कीन्ही चार व्याधि जनित करनेवाबे शरुआति कारणो को सुचिबध्ध करें।
      Enlist primary causes of disease. (any 4)
   E. चिकित्सा के उलटे क्रम का सिध्धांत क्या है ?
      What is Law of reverse order of cure?
   F. निसर्गोपचार की टिकाकरण की अवआधरणा क्या है ?
      What is concept of Vaccination as per Naturopathy?

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION NOVEMBER-2019

NATURAL THERAPEUTICS

Date :- 08.11.2019
Friday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00 p.m.
Total Marks :- 100

सूचना: 1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य । Every question is compulsory.
2. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
Every question bears the marks written on the right side.

SECTION-A

1. निराग्नि स्वेद के प्रकार, शारीरक्रियात्मक प्रभाव एवं उसके योग्य-अयोग्य का वर्णन करें। 10
Describe the types, Physiological effects, indications & contraindications of Niragni Sweda.

2. Answer any **one** out of two questions: 10
   A. बाह्य जल चिकित्सा के प्रकार, शारीरक्रियात्मक, प्रभाव एवं उसके योग्य-अयोग्य का वर्णन करें।
   Describe the types, Physiological effects, indications & contra-indications of External Hydro therapy.
   B. वायुसेवन के प्रकार, शारीरक्रियात्मक प्रभाव एवं उसके योग्य-अयोग्य का वर्णन करें।
   Describe the types, physiological effects, indications & contra-indications of Vayusevana.

3. Write short notes on any **Four** questions: 20
   A. मृतिका स्नान के चिकित्सकीय प्रभाव।
   Therapeutic effects of Mud bath.
   B. मर्दन का चिकित्सकीय प्रभाव।
   Therapeutic effects of Massage.
   C. सूर्यस्नान के योग्य और अयोग्य।
   Indications & Contraindications of Sunbath.
   D. उपवास का चिकित्सकीय प्रभाव।
   Therapeutic effects of Fasting.
   E. भाप स्नान के योग्यायोग्य।
   Indication and C.I. of steam bath.

4. Answer any **Five** questions (two to three sentences): 10
   A. मृत सागर कि मृतिका के किन्ही चार गुण को सूचिबध्घ करें।
   Enlist any four properties of Mud from Dead Sea.
   B. सुखोष्णजल और गरम जल का तापमान कितना होतो हैं?
   What is the temperature of Warm & Hot water?
   C. सोना स्नान के किन्ही चार योग्य को सूचिबध्द करें।
   Enlist any four Indications of Sauna bath.
   D. प्राचीन सेक की किन्ही चार पध्धतिओ को सूचिबध्द करें।
   Enlist any four methods of Ancient fomentation.
   E. मर्दन करने की किन्ही चार तकनीक को सूचिबध्द करें।
   Enlist any four techniques of Massage therapy.
   F. उपवास के प्रकार को सूचिबध्द करें।
   Enlist the types of Fasting.

P.T.O.

SECTION-B

5. वाईब्रेटर थेरपी के प्रकार, शारीरक्रियात्मक प्रभाव एवं योग्य-अयोग्य का वर्णन करें। 10
   Describe the types, Physiological effects, indications & Contraindication of Vibrator therapy.

6. Answer any **one** question: 10
   A. संगीत चिकित्सा के प्रकार, शारीरक्रियात्मक प्रभाव एवं चिकित्सकीय उपायो का वर्णन करें।
      Describe the types, Physiological effects & therapeutic utility of Music therapy.
   B. एरोमा चिकित्सा के प्रकार, शारीरक्रियात्मक प्रभाव एवं चिकित्सकीय उपायो का वर्णन करें।
      Describe the types, Physiological effects & therapeutic utility of Aroma therapy.

7. Write short notes on any **Four** questions: 20
   A. ज्यूस आहार के लाभ।
      Benefits of Juice Diet.
   B. कायरो प्रेकटीस के शारीरक्रियात्मक प्रभाव।
      Physiological effects of Chiro-practice.
   C. ओस्टीयोपथी के शारीरक्रियात्मक प्रभाव।
      Physiological effects of Osteopathy.
   D. वसा में धुलनशील विटीमीनो के प्रकार और उनके स्वास्थ्य प्रभावो को लिखे।
      Write the types of Fat-soluble Vitamins and their role in health.
   E. अवरक्त विकिरण का चिकित्सकीय प्रभाव।
      Therapeutic effects of Infrared lamp.

8. Answer any **Five** questions (two to three sentences): 10
   A. चुम्बक चिकित्सा के उपयोग कि पध्धतिओ को सूचिबध्द करें।
      Enlist the methods of application of Magnet therapy.
   B. नीले रंग के योग्य को सूचिबध्द करें।
      Enlist the indications of Blue colour.
   C. पारजाबंली किरण के अयोग्य को सूचिबध्द करें।
      Enlist the contra-indications of Ultra Violate rays.
   D. क्रेनियो सेक्रेल थेरपी किसे कहते है?
      What is meant by Cranio Sacral therapy?
   E. गेहुं को जवारे के लाभो को सूचिबध्द करें।
      Enlist the benefits of Wheat grass therapy.
   F. हरे रंग के योग्य को सूचिबध्द करें।
      Enlist the indications of Green colour.

*****

GUJARAT AYURVED UNIVERSITY, JAMNAGAR.

POST GRADUATE DIOLOMA IN YOGA & NATUROPATHY - (P.G. D.Y.N.)

EXAMINATION NOVEMBER-2019

MANAGEMENT OF DISEASES THROUGH YOGA & NATUROPATHY

Date :- 09.11.2019
Saturday

Time :- 10:00 a.m. to 01:00p.m.
Total Marks :- 100

सूचना: 1. प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य । Every question is compulsory.
2. प्रत्येक प्रश्न के गुण उसकी दाहिनी ओर लिखे गए हैं ।
Every question bears the marks written on the right side.

SECTION-A

1. निसर्गोपचार के चिकित्सा सिध्धांतों का वर्णन करें। 10
Describe the therapeutic principles of Naturopathy.

2. Answer any **one** out of two questions: 10
   A. निदान प्रक्रिया सोपानों का सविस्तार वर्णन करें।
   Describe the steps of diagnostic method in detail.
   B. नव्य-निसर्गोपचार चिकित्सा में कौन से आयामों पर अनुंसंधान की अधिक आवश्यकता है यह समझाएँ।
   Explain which aspects of Neo-Naturopathic Processes, research is more essential?

3. Write short notes on any **Four** questions: 20
   A. नव्य-निसर्गोपचार के सिध्धांत।
   Therapeutic principles of Neo-Naturopathy.
   B. वर्ण (रंग) का नैदानिक महत्व।
   Diagnostic importance of colors.
   C. होमियोपेथी एवं निसर्गोपचार।
   Homeopathy and Nisargopachar.
   D. विषाद में वर्ण निदान।
   Chromo diagnosis in Vishada (Depression).
   E. मुखाकृति निदान का निष्कर्ष।
   Findings of Facial diagnosis.

4. Answer any **Five** questions (two to three sentences): 10
   A. किसी भी दो चिकित्सा पध्धति के सिध्धांतो में भिन्नता होने पर भी एक साथ कैसे प्रयोग कर सकते हैं?
   Inspite of the differences between the principles of any two therapies, how can it be used together?
   B. नाभि स्वस्थान स्थापन की पध्धतियाँ सूचिबध्ध करें।
   Enlist the methods of correcting the displaced Nabhi.
   C. प्राचीन एवं नव्य-निसर्गोपचार के बीच दो भेद लिखें।
   Write two differences between traditional and Neo-Naturopathy.
   D. श्वास रोगी में आईरीस निदान लिखें।
   Write the Iris diagnose in Asthmatic patient.
   E. आधुनिक निदान प्रक्रिया योग चिकित्सा में कैसे सहायक सिध्ध हो सकती है?
   How can the modern diagnostic tools be helpful in Yoga therapy?
   F. त्रिगुण परीक्षा किसे कहते है?
   What is meant by Triguna Pariksha?

SECTION-B

5. कामला का आधुनिक विज्ञान विकृति सह वर्णन कर आगत-अनागत सम्पूर्ण चिकित्सा उपाय लिखें। 10

   Describe the modern pathology and write the complete preventive-curative management of Kamala.

6. Answer any **one** question: 10

   A. राज्यक्ष्मा की सम्प्राप्ति, चिकीत्सा सूत्र एवं संपूर्ण चिकित्सा समझाएँ।

   Explain the Pathology, line of treatment and complete management of Rajyakshma.

   B. अन्नवह स्त्रोतस के किन्हीं दो व्याधियों की संपूर्ण चिकित्सा का वर्णन करें।

   Describe the complete treatment of any two diseases of Annavaha Srotas.

7. Write short notes on any **Four** questions: 20

   A. शोथ की योगिक चिकित्सा।

   Yogic management of Shotha.

   B. प्रेमह की निसर्गोपचारीय चिकित्सा।

   Naturopathic management of Prameha.

   C. प्रवाहिका की सम्प्राप्ति एवं चिकित्सा सूत्र।

   Pathology and line of treatment of Pravahika.

   D. अश्मरी की नव्य-निसर्गोपचारीय चिकित्सा।

   Neo-Naturopathic treatment of Ashmari.

   E. गृध्रसी की पांरपरिक निसर्गोपचारीय चिकित्सा।

   Traditional Naturopathic management of Gridhrasi.

8. Answer any **Five** questions (two to three sentences): 10

   A. वातरक्त में उपयुक्त किन्हीं चार निसर्गोपचार चिकित्सा लिखें।

   Write any four Naturopathic therapies useful in Vatarakta.

   B. अतिसार में उपयुक्त किन्हीं चार योग प्रक्रियाओ के नाम लिखें।

   Write any four Yoga therapies useful in Atisara.

   C. पाण्डु में उपयुक्त किन्हीं चार नव्य-निसर्गोपचारीय चिकित्सा लिखें।

   Write any four Neo-Naturopathic therapies useful in Pandu.

   D. अश्मरी का चिकित्सा सूत्र लिखें।

   Write the line to treatment of Ashmari.

   E. अतत्वाभिनिवेष क्या है?

   What is the meaning of Atatvabhinivesh?

   F. राज्यक्ष्मा एवं शोष में क्या भेद है ?

   What is the difference between Rajyakshma & Shosha?

*****